

बीच की भटकन !

बीच की भटकन कहानी में दो तरह की स्त्री की जीवन शैली के बारे में बताया गया है। इस कहानी में यही भटकन है कि कौनसी जीवन शैली सही और अच्छी है। अभी मैं पहले जीवन शैली के बारे में बताने जा रहा हूँ। यह जीवन शैली वीना के बारे में है। वीना की जीवन शैली बहुत ही भारतीय संस्कृति पर आधारित है, जैसे कि किसी भी बड़े के सामने विरोध नहीं करती। अपने सासुं, बड़ी भाभी जो कहे चुपचाप सुन लेती है। यहाँ तक कि उसका पति रमेश उससे जगड़ा करता है तो वीना परिस्थिती संतुलित करने की कोशिश करती है। दूसरी ओर वीना बताती है कि उसको आनंद आता है जब शनिवार को उसका पति रमेश उसके बच्चों के साथ समय निकालते हैं तब वीना को आनंद की प्राप्ति होती है।

अब दूसरी जीवन शैली बेबी के उपर आधारित है। बेबी की सोच आधुनिक जमाने की है। बेबी, वीना की तरह नहीं हैं जो माँ-बाप ने जिस्से कहा उससे शादी करले। उसका मानना है कि पहले वो लड़को के अपने तौर तरीको से परखती है बाद में अपने विचार प्रस्तुत करती है।

वीना को यह भटकन है कि बेबी कही वही जिन्दगी नही व्यतित न करे जो वीना कर रही है। बेबी को अपना जीवन शैली खुद से चुना चाहिए और वीना को यह चिंता भी है कि अकेली नहीं पड़ जाए।

कहानि के अंत में यह प्रश्न रहा कि बेबी को कौनसी जीवन शैली को बढ़ावा देना चाहिए। दूसरा यह प्रश्न है कि क्या बेबी को वापस भारत लौट जाना चाहिए या विदेश में ही रह कर आगे बढ़ना चाहिए।

मासूम

मासूम मूवी में नसरुदिन का नाम डीके और शबाना का नाम ईन्दू है। मूवी की शुरुआत में दोनों की गृहस्थी अच्छी थी। ईन्दू और उसकी दो बेटियाँ बहोत आनंद से रह थे।

एक दिन डीके नैनिताल में गया था, वही उसकी मुलाकात भावना से हुई। तभी डीके भावना के बहुत करीब हो गया। कुछ दिनों बाद डीके वापस लौट गया और अपने परिवार के साथ रहने लगा।

कुछ सालों बाद भावना की मौत हो जाती है, उसके बाद डीके को पता चलता है कि उसका एक बेटा है, जो नैनिताल में रामूकाका के साथ रहता है। यह खबर सुनते ही डीके बहुत परेशान हो जाते हैं। डीके अपनी पत्नी को सारी बातें बताता है जिसे सुनकर ईन्दू बहुत रोती है, क्योंकि डीके ने शादीशुदा हो कर भी यह कार्य किया है।

डीके भावुक होकर अपने नाजायस बेटे राहुल को अपने घर ले आता है, जो उसकी पत्नी को पसंद नहीं आता है। पत्नी को राहुल पसंद इसलिए नहीं आता क्योंकि वो उसे उसके पति के धोका याद दिलाता है। राहुल स्वभाव में बहुत अच्छा और मासूम था। वो सब के साथ घुल-मिल गया था। किन्तु ईन्दू को पसंद नहीं था। जैसे - जैसे समय बीता ईन्दू के विचार बदल गए और राहुल को अपना लिया।